भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 119

जिसका उत्तर सोमवार, 20 जुलाई, 2026/29 आषाढ़, 1948 (शक) को दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों का प्रदर्शन

†119. श्री एम. के. राघवन:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों के खराब प्रदर्शन पर संज्ञान लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों में मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) और पदोन्नति परीक्षाओं को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समकक्ष सुव्यवस्थित करने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने इस बात पर ध्यान दिया है कि सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों के सेवानिवृत्तकर्मियों की एक बड़ी संख्या सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद निजी ब्रोकरों और बीमा नियामकों में पुनर्नियोजन की तलाश करती है;

(घ) यदि हां, तो सेवानिवृत्त अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों द्वारा पैरामीट्रिक बीमा सेवाप्रदाता की नियुक्ति मानदंडों के अनुसार की गई है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी) का कार्य-निष्पादन इस प्रकार है:

सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम (जीडीपी) **(करोड़ रुपये में)**

विवरण	नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	पीएसजीआईसी का कुल
2023-24	15,114	36,997	18,289	19,853	90,252
2024-25	16,767	38,625	19,789	20,072	95,252
2025-26 (पी)	17,674	42,831	20,641	21,422	1,02,568

पी-अनंतिम, (स्रोत: आईआरडीएआई)

विगत 3 वित्तीय वर्ष के दौरान, सभी चार पीएसजीआईसी ने सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम में वृद्धि दर्ज की है। इन 4 बीमाकर्ताओं का संयुक्त प्रीमियम वित्तीय वर्ष 23-24 में 90,252 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2025-26 (अनंतिम) में 1,02,568 करोड़ रुपये हो गया है।

कर पश्चात लाभ (पीएटी) **(करोड़ रुपये में)**

विवरण	2023-24	2024-25	2025-26(अनंतिम)
नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	-187	-483	-2,534
ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	19	144	-4,061
यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	-804	149	-4,839
न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	1,129	988	1,384

पी -अनंतिम, (स्रोत: आईआरडीएआई)

वित्तीय वर्ष 25-26 के दौरान, पीएसजीआईसी की लाभप्रदता ने मिश्रित प्रवृत्ति दर्शाई। जबकि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड 1,384 करोड़ रुपये के बेहतर निवल लाभ के साथ लाभदायक बनी रही, जबकि अन्य तीन बीमा कंपनियों ने हानि की सूचना दी|

(ख): पीएसजीआईसी ने कर्मचारियों से सम्बंधित प्रक्रियाओं – जैसे छुट्टी, पेरोल, कार्य-निष्पादन सम्बन्धी प्रबंधन, पदोन्नति, स्थानांतरण, प्रशिक्षण और सेवानिवृत्ति सम्बन्धी लाभों का डिजिटलीकरण करने और उसे सुव्यवस्थित करने के लिए मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) लागू की है। पारदर्शिता, दक्षता और कर्मचारी सम्बन्धी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए इन प्रणालियों में लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

पदोन्नति परीक्षाओं सहित पदोन्नति नीतियां, जहां कहीं भी लागू हों, कंपनी के संबंधित बोर्ड द्वारा अनुमोदित पदोन्नति नीति द्वारा अभिशासित होती हैं। कंपनियां इन नीतियों की आवधिक रुप से समीक्षा करती हैं ताकि उन्हें संगठनात्मक आवश्यकताओं के साथ सुसंगत बनाया जा सके और सर्वोत्तम मानव संसाधन कार्य पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा सके।

(ग) और (घ): साधारण बीमा (कर्मचारी) पेंशन योजना, 1995 का पैराग्राफ 49 [सेवानिवृत्ति के पश्चात वाणिज्यिक नियोजन/ रोजगार] पीएसजीआईसी के सेवानिवृत कर्मचारियों के वाणिज्यिक नियोजन की स्वीकृति को अभिशासित करता है| यह कुछ शर्तों के अध्यधीन वाणिज्यिक रोजगार की अनुमति देता है।

(ङ) जी, हां पीएसजीआईसी द्वारा पैरामीट्रिक बीमा सेवा प्रदाताओं की नियुक्ति निविदा जैसे निर्धारित मानदंडों के अनुसार की गई है।

(च) पीएसजीआईसी ने दो पैरामीट्रिक बीमा सेवा प्रदाताओं की नियुक्ति की है।

*****